30-9-21

Hindi (2nd language)

हंस और कछुआ

प्र) हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से आप को क्या शिक्षा मिलती है ?

उ) हंस और कछुआ की कहानी से यह सीख मिलती है की ज्यादा गुस्सा करना नही चाहिए। ज्यादा बोलना भी उचित नहीं होता, अपने अन्दर सहनशीलता और संयम न रखने से बहुत नुकसान हो सकता है। हमें जब किसीको वचन देते हैं तो उस वचन का पालन भी करना चाहिए। हमें हमेशा सोच-समझ कर बोलना चाहिए। दुसरे कि मदत करना चाहिए।

हंसने कछुवे की मदत की। हंसोंने कछुवे को बात करनेसे मना किया था। परन्तु कछुआ बच्चो की बात सुनकर क्रोधित हो गया और गुस्से से मुँह खोल दिया। यदि कछुआ कि बात मानाहोता तो बचजाता। कुछ लोग गुस्सा के कारण अपना संयम खोदेते हैं। इसलिए संकट के समय मे धैर्य रखना चाहिए। अगर कछुआ संयम रखके अपना मुँह बंद रखता तो शयद वह बच जाता।

हमेशा मुसीबत के समय शांत रहना चाहिए।

Name- Snehansh Kar
class - VI 'D'